31.07.25

गोस्वामी तुलसीदास एवं मुंशी प्रेमचंद जयंती आयोजित

संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर की हिंदी साहित्य सभा द्वारा हिंदी साहित्य जगत के लोकप्रिय साहित्यकारों गोस्वामी तुलसीदास एवं मुंशी प्रेमचंद की जयंती धूमधाम से मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. जे. बेन एंटोन रोस के कुशल मागदर्शन एवं नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राचार्य महोदय ने अपने संदेश में कहा कि "गोस्वामी तुलसीदास एवं प्रेमचंद हिंदी साहित्य की महान विभूतियां हैं जिन्होंने समाज को दिशा देने एवं जीवन मूल्यों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका चिंतन अनुकरणीय और प्रासंगिक है।" इस कार्यक्रम के अंतर्गत बी. ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र तरुण कुमार नाहर के द्वारा गोस्वामी तुलसीदास पर एवं सोनम अहिरवार के द्वारा मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. कैरोलिन सैनी द्वारा अपने संदेश में कहा गया कि "गोस्वामी तुलसीदास ने विषम दौर में संपूर्ण भारत को रामचरितमानस के माध्यम से एक सूत्र में बांधा है और जीवन जीने के लिए श्री राम के रूप में उच्च आदर्श प्रदान किया है। वहीं प्रेमचंद ने अपने समय के परिवेश को बहुत ही सरलता और गहराई के साथ अपने साहित्य में प्रस्तुत किया है।"

:इस अवसर पर साहित्य सभा द्वारा लघु कथा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका डॉ. तुहिना जौहरी एवं सुश्री दीक्षा जैन के द्वारा निभाई गई। इसमें प्रथम स्थान शैलेश उईके बी.ए. पंचम सेमेस्टर, द्वितीय स्थान आराधना मरावी बी.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान सौम्या शर्मा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान ही हिंदी साहित्य सभा की कार्यकारिणी घोषित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी साहित्य सभा के प्रभारी डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रीना थॉमस एवं डॉ. अभिलाषा शुक्ला की भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन मेकल दीक्षित के द्वारा किया गया।